(How Economic Rent Arises?)

लगान कैसे उत्पन्न होता?

आधुनिक अर्थशास्त्रियों के अनुसार लगान उत्पन्न होने का कारण साधन की सापेक्षिक सीमितता है अर्थात् जब साधन की पूर्ति मांग के तुलना कम होती है तब लगान उत्पन्न होता है। भूमि के अतिरिक्त अन्य साधनों की ~~इसी~~ पूर्ति भी मांग की तुलना में सीमित हो सकती है जिसके कारण उन्हें न्यूनतम आय से अधिक मुद्रा की मात्रा आय के रूप में प्राप्त हो सकती है यही अधिशेष (Surplus) लगान है।

उत्पत्ति के साधनों को लगान तभी प्राप्त होगा जब उनकी पूर्ति पूर्णतया लोचदार न हो। उत्पत्ति के साधनों की पूर्ति से संबंधित तीन परिस्थितियां हो सकती है

(1) पूर्णतः लोचदार पूर्ति (Perfectly Elastic Supply)

(2) पूर्णतः बेलोचदार पूर्ति (Perfectly Inelastic supply)

(3) पूर्ण लोच से कम (Less than Perfectly Elastic Supply)

Scanned by CamScanner

① पूर्णतः लोचदार पूर्ति (Perfectly Elastic supply) :→

किसी साधन की मांग में परिवर्तन होने पर चाहे उसकी पूर्ति में परिवर्तन हो जाए तब भी वह उत्पत्ति साधन सीमित नहीं होगा। इसके फलस्वरूप साधन की कीमत में परिवर्तन नहीं होगा। दूसरे शब्दों में पूर्णतः लोचदार पूर्ति वाला साधन पूर्णतया अविशिष्ट होता है। ऐसी स्थिति में साधन की वास्तविक आय और हस्तान्तरण आय समान होगी अर्थात् कोई लगान प्राप्त नहीं होगा। उपर्युक्त चित्र में दिखाया गया है। पूर्ति वक्र क्षैतिज रेखा के रूप में SS_1 है। ऐसे साधन को कोई लगान प्राप्त नहीं होता है क्योंकि साधन की कुल कीमत OSEQ के बराबर है तथा OSEQ ही

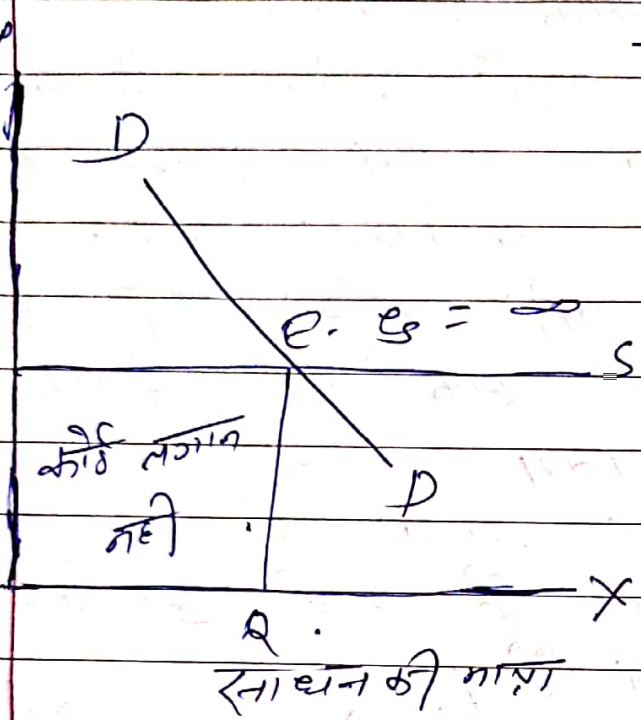

हस्तान्तरण आय है। अतः लगान = वास्तविक आय - हस्तान्तरण आय है।
इसानुसार, लगान शून्य के बराबर होगा क्योंकि ऐसी परिस्थिति में साधन को हस्तान्तरण आय के ऊपर कोई बचत प्राप्त नहीं होती।

To be Continued

Thank you.

Scanned by CamScanner